CHRONICLE
Nurturing Talent Since 1990

सिविल सर्विसेज़
क्रॉनिकल
1990 से आईएएस अभ्यर्थियों की नं. 1 पत्रिका

VALUE ADDITION SERIES

THE GIST OF भारत 2026

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विशेष रूप से तैयार अध्ययन सामग्री

प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले तथ्य एवं आंकड़ों पर आधारित प्रश्नों का एक बड़ा भाग केंद्र सरकार द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'भारत' से पूछे जाते हैं

प्रस्तुत पुस्तक में भारत 2026 से प्रामाणिक आंकड़ों और तथ्यों का एक साथ क्षेत्रवार उनके प्रमुख उपलब्धियों और महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाक्रमों के साथ संकलन किया गया है।

THE GIST OF
भारत 2026

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विशेष रूप से तैयार अध्ययन सामग्री

- प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले तथ्य एवं आंकड़ों पर आधारित प्रश्नों का एक बड़ा भाग केंद्र सरकार द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'भारत' से पूछे जाते हैं।
- प्रस्तुत पुस्तक में भारत 2026 से प्रामाणिक आंकड़ों और तथ्यों का एक साथ क्षेत्रवार उनके प्रमुख उपलब्धियों और महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाक्रमों के साथ संकलन किया गया है।

प्रश्न यहीं से आते हैं

संपादक

एन.एन. ओझा

लेखक

क्रॉनिकल संपादकीय समूह

CHRONICLE

Nurturing Talent Since 1990

अनुक्रमणिका

भारत भूमि और उसके निवासी.....1

राष्ट्रीय प्रतीक.....8

राजनीतिक संरचना 11

रक्षा..... 33

विधि और न्याय 35

भारत एवं विश्व 37

मूल आर्थिक आंकड़े..... 47

वित्त..... 49

कॉरपोरेट कार्य 54

वाणिज्य 57

उद्योग..... 59

श्रम, कौशल विकास और रोजगार..... 65

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण 68

शिक्षा..... 74

कल्याण..... 79

कृषि..... 88

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले 96

आयोजना 104

ग्रामीण विकास 109

आवास और शहरी मामले 116

परिवहन..... 121

ऊर्जा..... 130

जल संसाधन..... 135

पर्यावरण 140
संचार और सूचना प्रौद्योगिकी 147
जन संचार 153
संस्कृति एवं पर्यटन 157
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास 160
युवा कार्यक्रम एवं खेल 167
राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेश.. 169

◆❖◆❖◆

भारत 2026

भारत भूमि और उसके निवासी

भारतः भौगोलिक स्थिति और विस्तार

- **कुल क्षेत्रफलः** 32,87,263 वर्ग किलोमीटर।
- **विश्व में स्थानः** क्षेत्रफल में 7वां और जनसंख्या में द्वितीय स्थान पर है।
- **अक्षांशीय विस्तार (Latitude):** 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर।
- **देशांतरीय विस्तार (Longitude):** 68°7' पूर्व से 97°25' पूर्व।
- **उत्तर से दक्षिण की लंबाईः** 3,214 किलोमीटर।
- **पूर्व से पश्चिम की चौड़ाईः** 2,933 किलोमीटर।
- **गोलार्द्धः** भारत पूरी तरह से उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।

सीमाएं और तटरेखा

- **स्थलीय सीमा की लंबाईः** लगभग 15,200 किलोमीटर।
- **कुल तट रेखा (द्वीपसमूहों सहित):** 7,516.6 किलोमीटर।
- **पड़ोसी देशः**
  - **उत्तर-पश्चिमः** पाकिस्तान, अफगानिस्तान।
  - **उत्तरः** चीन, नेपाल, भूटान।
  - **पूर्वः** बांग्लादेश, म्यांमार।
- **समुद्री पृथक्करणः** भारत और श्रीलंका को पाक जलडमरूमध्य (Palk Strait) और मन्नार की खाड़ी अलग करते हैं।

प्रशासनिक संरचना

- **कुल राज्य और केंद्र शासित प्रदेशः** 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश।
- **नया विलयः** दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव का विलय 26 जनवरी, 2020 को हुआ।
- **नया विभाजनः** जम्मू और कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में विभाजित किया गया है।

भौतिक विभाजन (Physical Geography)

- **प्रमुख भागः** हिमालय क्षेत्र, गंगा-सिंधु के मैदान, रेगिस्तान और दक्षिणी प्रायद्वीप।
- **हिमालय पर्वतमालाः**
  - **लंबाईः** 2,400 किलोमीटर।
  - **चौड़ाईः** 240 से 320 किलोमीटर।
  - **प्रमुख दर्रे (तिब्बत मार्ग):** जेलेप ला और नाथू ला (चुंबी घाटी)।
- **गंगा-सिंधु के मैदानः**
  - **निर्माणः** सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र द्वारा लाई गई जलोढ़ मिट्टी से।
  - **ढाल की विशेषताः** दिल्ली (यमुना) से बंगाल की खाड़ी के बीच 1,600 किमी की दूरी पर केवल 200 मीटर की ढाल है।
- **रेगिस्तानी क्षेत्रः**
  - **वृहत रेगिस्तानः** कच्छ के रण से लूनी नदी तक।
  - **लघु रेगिस्तानः** लूनी नदी से जैसलमेर-जोधपुर के बीच उत्तर-पश्चिम तक।

प्रायद्वीपीय पठार और पर्वत श्रृंखलाएं

- **प्रमुख श्रेणियां:** अरावली, विंध्य, सतपुड़ा, मैकल और अजंता।
- **पश्चिमी घाट:** औसत ऊंचाई 915 से 1,220 मीटर (अरब सागर के पास संकीर्ण पट्टी)।
- **पूर्वी घाट:** औसत ऊंचाई 610 मीटर (बंगाल की खाड़ी के पास व्यापक तट)।
- **मिलन बिंदु:** पूर्वी और पश्चिमी घाट नीलगिरि पर्वतमाला पर मिलते हैं।
- **कार्डमम हिल्स:** ये नीलगिरि के दक्षिण में स्थित हैं और पश्चिमी घाट का विस्तार हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- **शंक्वाकार आकृति:** भारत की मुख्य भूमि कर्क रेखा के दक्षिण में हिंद महासागर की ओर संकरी (शंक्वाकार) हो जाती है।
- **पूर्वोत्तर पहाड़ियां:** मिजो और रखाइन पर्वतमालाएं गारो, खासी, जयंतिया और नागा पहाड़ियों से जुड़ती हैं।
- **प्रमुख घाटियां:** कश्मीर और कुल्लू की घाटियां अपनी उर्वरता और सुंदरता के लिए जानी जाती हैं।

भूगर्भीय संरचना

भारत का भूगर्भीय वर्गीकरण

भारतीय उपमहाद्वीप को मुख्य रूप से तीन भूगर्भीय क्षेत्रों में बांटा गया है:

1. **अतिरिक्त-प्रायद्वीपीय क्षेत्र:** हिमालय पर्वतमाला।
2. **सिंधु-गंगा के मैदान:** हिमालय और प्रायद्वीप के बीच का क्षेत्र।
3. **प्रायद्वीपीय क्षेत्र:** दक्षिण का पठारी भाग।

हिमालय की उत्पत्ति और टेथिस सागर

- **प्लेट विवर्तनिकी (Plate Tectonics):** भारत का वर्तमान स्वरूप भारतीय प्लेट और यूरेशियन प्लेट के बीच लगभग 4-5 करोड़ वर्ष पहले हुए टकराव का परिणाम है।
- **प्राचीन महासागर:** हिमालय के निर्माण से पूर्व उस स्थान पर 'टेथिस' (Tethys) नामक एक विशाल महासागर स्थित था।
- **संवेदनशीलता:** हिमालय क्षेत्र भूगर्भीय रूप से अभी भी अस्थिर है, इसलिए यह भूकंपीय गतिविधियों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है।

प्रायद्वीपीय भारत (Peninsular India)

- **आकृति:** यह एक उल्टे त्रिभुज के आकार का है।
- **प्राचीनता:** यह भारत का सबसे प्राचीन और स्थिर हिस्सा है, यहां 3.8 गीगा-एनम (380 करोड़ वर्ष) पुरानी शैल (चट्टानें) पाई जाती हैं।
- **महत्व:** इसे 'आर्थिक खनिजों का भंडार' कहा जाता है।

प्रमुख भूगर्भीय संरचनाएं (Gondwana - Deccan Trap)

- **गोंडवाना सुपरग्रुप:** भारत के अधिकांश कोयला भंडार (Coal Deposits) इसी संरचना में पाए जाते हैं।
- **दक्कन ट्रैप (Deccan Trap):**
  - इसका निर्माण क्रीटेशियस काल (Cretaceous period) के अंत में हुआ था।
  - यह विशाल ज्वालामुखी विस्फोटों और लावा प्रवाह से निर्मित है।

सिंधु-गंगा के मैदान

- **आयु:** यह भारत का भूगर्भीय रूप से सबसे युवा (Youngest) भाग है।
- **निर्माण:** इसका निर्माण हिमालयी और प्रायद्वीपीय नदियों द्वारा निरंतर जमा की गई जलोढ़ मिट्टी के जमाव से हुआ है।

स्थिरता और सुरक्षा

- **प्रायद्वीपीय क्षेत्र:** भूगर्भीय रूप से तुलनात्मक रूप से स्थिर (Stable) है, जिसके कारण यहां बड़े भूकंपों की संभावना हिमालय की तुलना में कम होती है।
- **हिमालय:** एक वलित पर्वत (Fold Mountain) होने के कारण और प्लेटों के टकराव की सीमा पर होने के कारण अस्थिर है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत का सबसे पुराना हिस्सा? - **प्रायद्वीपीय पठार।**
- भारत का सबसे नया हिस्सा? - **सिंधु-गंगा के मैदान।**
- कोयला किस समूह की चट्टानों में मिलता है? - **गोंडवाना सुपरग्रुप।**
- दक्कन ट्रैप का निर्माण कैसे हुआ? - **ज्वालामुखी लावा के प्रवाह से।**
- हिमालय की जगह पहले क्या था? - **टेथिस सागर।**

भारत की नदी प्रणालियां

नदी प्रणालियों का वर्गीकरण

भारत की नदियों को चार समूहों में बांटा गया है:

1. **हिमालयी नदियां:** बारहमासी (Perennial), हिमनदों से निर्मित, मानसून में बाढ़ की संभावना।
2. **दक्षिणी (प्रायद्वीपीय) नदियां:** वर्षा पर निर्भर, गैर-बारहमासी।
3. **तटवर्ती नदियां:** पश्चिमी तट की नदियां छोटी और सीमित जलग्रहण क्षेत्र वाली होती हैं।
4. **अंतर्देशीय नदियां:** समुद्र तक नहीं पहुंचतीं, मरुस्थलीय क्षेत्रों में लुप्त हो जाती हैं।

प्रमुख हिमालयी नदी प्रणालियां

- **सिंधु नदी:** उद्गम तिब्बत (मानसरोवर झील)। सहायक नदियां: सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम।
- **गंगा नदी:**
  - भागीरथी और अलकनंदा के देवप्रयाग में मिलने से बनती है।
  - **प्रवाह वाले राज्य:** उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल।
  - **सहायक नदियां:** यमुना, रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा और सोन।
  - **यमुना की उप-सहायक नदियां:** चंबल और बेतवा।
- **ब्रह्मपुत्र नदी:**
  - **तिब्बत में नाम:** त्संगपो (Tsangpo)।
  - **भारत (अरुणाचल) में प्रवेश पर नाम:** दिहांग।
  - पासीघाट के पास इसमें दिबांग और लोहित नदियां मिलती हैं।
  - **सहायक नदियां:** सुबनसिरी, जिया भरेली, धनसिरी, पुथीमारी, पागलाडिया और मानस।
  - तीस्ता नदी बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र से मिलती है।
- **बराक नदी:** मणिपुर की पहाड़ियों से निकलती है, बांग्लादेश में गंगा-ब्रह्मपुत्र से मिलती है।

प्रायद्वीपीय (दक्षिणी) भारत की नदियां

- **पूर्व की ओर बहने वाली (बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली):** गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, महानदी।
  - **गोदावरी:** दूसरी सबसे बड़ी नदी बेसिन (भारत के 10% क्षेत्र पर)।
  - **कृष्णा:** गोदावरी के बाद दूसरी सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय घाटी।
- **पश्चिम की ओर बहने वाली (अरब सागर में गिरने वाली):** नर्मदा और ताप्ती (प्रमुख)।
- **तटीय संख्या:** पश्चिमी तट पर गिरने वाली नदियों की संख्या 600 है।

अंतर्देशीय जल निकासी (Inland Drainage)

- ये नदियां समुद्र तक नहीं पहुंचतीं, या तो झीलों में गिरती हैं या रेत में लुप्त हो जाती हैं।
- **प्रमुख नदियां:** लूनी, माच्छू, रूपेन, सरस्वती, बनास और घग्घर।
- **लूनी नदी:** पश्चिमी राजस्थान की मुख्य नदी, कच्छ के रण में लुप्त हो जाती है।

नदी बेसिन का वर्गीकरण (Statistical Facts)

- **कुल बेसिन समूह:** 20

- **12 बड़े नदी बेसिन:** (प्रत्येक का बहाव क्षेत्र >20,000 वर्ग किमी)। नाम: सिंधु, गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, महानदी, पेन्नार, ब्राह्मणी-वैतरणी, साबरमती, माही, नर्मदा और ताप्ती।
- **8 संयुक्त नदी बेसिन:** मध्यम (2,000-20,000 वर्ग किमी) और लघु (<2,000 वर्ग किमी) नदियों का समूह।

महत्वपूर्ण भौगोलिक तथ्य

- **गंगा का ढाल:** यमुना (दिल्ली) से बंगाल की खाड़ी तक 1,600 किमी की दूरी में ढाल केवल 200 मीटर है। यही कारण है कि यह क्षेत्र विश्व के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है।
- **बांग्लादेश में नाम:** गंगा की शाखा को बांग्लादेश में पद्मा कहा जाता है।
- **संयुक्त बेसिन के उदाहरण:**
  - सुवर्णरेखा बेसिन (सुवर्णरेखा + वैतरणी)।
  - ताप्ती से ताद्री तक की नदियां।
  - ताद्री से कन्याकुमारी तक की नदियां।
  - राजस्थान का रेगिस्तानी आंतरिक बहाव क्षेत्र।

हिमालयी दर्रे (Passes)

- हिमालय के पार व्यापार और यात्रा के लिए जेलेप ला, नाथु ला और शिपकी ला जैसे दर्रे महत्वपूर्ण हैं।

जलवायु ऋतुएं

भारतीय जलवायु के नियंत्रक कारक

- **प्रमुख कारक:** महासागर, हिमालय पर्वतमाला और थार का रेगिस्तान।
- **हिमालय की भूमिका:**
  1. सर्दियों में मध्य एशिया की ठंडी और शुष्क हवाओं को रोकता है।
  2. दक्षिण-पश्चिमी मानसून को रोककर उत्तर भारत में वर्षा कराता है।
- **समुद्र का प्रभाव:** प्रायद्वीपीय भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा है, जिससे यहां समुद्रतटीय (Maritime) जलवायु पाई जाती है (तापमान में बहुत अधिक बदलाव नहीं होता)।
- **महाद्वीपीय जलवायु:** उत्तर भारत में समुद्र से दूर होने के कारण ग्रीष्म ऋतु में अत्यधिक गर्मी और शीत ऋतु में अत्यधिक ठंड होती है।

भारत की प्रमुख ऋतुएं (IMD के अनुसार)

1. **सर्दी (Winter):** जनवरी से फरवरी (उत्तर भारत में दिसंबर से मार्च)।
2. **गर्मी (Summer/Pre-monsoon):** मार्च से मई।
3. **दक्षिण-पश्चिम मानसून (SW Monsoon):** जून से सितंबर।
4. **उत्तर-पूर्वी मानसून/मानसून की वापसी:** अक्टूबर से दिसंबर।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (मुख्य वर्षा ऋतु)

- **प्रवेश:** आमतौर पर 1 जून को केरल तट पर।
- **द्वीपों की स्थिति:** मुख्य भूमि से लगभग एक सप्ताह पहले बंगाल की खाड़ी के द्वीपों पर मानसून शुरू होता है।
- **अवधि: पश्चिमी राजस्थान में:** 75 दिनों से कम; **दक्षिण-पश्चिमी प्रायद्वीप में:** 120 दिनों से अधिक।
- **औसत वर्षा:** 868.6 मिमी (1971-2020 के आंकड़ों के अनुसार)।

चक्रवात और प्राकृतिक खतरे

- **उत्पत्ति स्थल:** बंगाल की खाड़ी और अरब सागर।
- **प्रकृति:** उत्तरी हिंद महासागर के चक्रवात 'बाईमॉडल' (Bimodal) होते हैं (वर्ष में दो बार चरम पर होते हैं)।
- **सर्वाधिक संभावना:** मानसून के बाद (अक्टूबर-दिसंबर) और मानसून पूर्व (मार्च-मई)।
- **पूर्वानुमान:** भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा।

तापमान संबंधी तथ्य

- **ठंडे महीने:** दिसंबर और जनवरी उत्तर भारत के सबसे ठंडे महीने हैं।
- **न्यूनतम तापमान:** सर्दियों में उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में तापमान –7.7°C तक गिर सकता है।
- **तापमान की दिशा:** सर्दियों में तापमान भूमध्य रेखा की ओर (दक्षिण की ओर) बढ़ता है।

स्थानीय मौसम की घटनाएं

- **नॉरवेस्टर्स (Norwesters):** पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में आने वाले भयंकर तूफान।
- **काल बैसाखी:** नॉरवेस्टर्स का स्थानीय नाम (मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल और असम में)।
- **धूल भरी आंधी:** ग्रीष्म ऋतु में उत्तर-पश्चिमी भारत के शुष्क मैदानी इलाकों की विशेषता।
- **ओलावृष्टि:** ग्रीष्म ऋतु (मानसून पूर्व) में गरज के साथ होने वाली प्रमुख घटना।

महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत में अधिकांश वर्षा किससे होती है?
  – दक्षिण-पश्चिम मानसून से
- काल बैसाखी का संबंध किस राज्य से है? – **पश्चिम बंगाल।**
- भारत में मानसून की शुरुआत सबसे पहले कहां होती है? – **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (मुख्य भूमि से पहले)।**
- सर्दियों में उत्तर भारत में वर्षा किस कारण होती है? – **हिमालय द्वारा मानसूनी हवाओं को रोकने और चक्रवातों के कारण**

वनस्पति

वनस्पति-भौगोलिक वर्गीकरण

- **कुल क्षेत्र:** भारत को 11 वनस्पति-भौगोलिक क्षेत्रों (Phytogeographical Regions) में विभाजित किया गया है।
- **सर्वेक्षण संस्था:** भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण (BSI), मुख्यालय – कोलकाता।
- **प्रमुख प्रकाशन:** 'फ्लोरा ऑफ इंडिया' और 'स्टेट्स फ्लोराज'।

हिमालयी क्षेत्र की वनस्पति

- **उत्तर-पश्चिम हिमालय:** जम्मू-कश्मीर से उत्तराखंड (कुमाऊं) तक। यहां उष्णकटिबंधीय से लेकर अल्पाइन (Alpine) तक की विविधता मिलती है। प्रमुख वृक्ष: साल (निचले हिस्से में), देवदार, चीड़ (Pine), ब्लू पाइन, सिल्वर फर।
- **पूर्वी हिमालय:** सिक्किम से अरुणाचल प्रदेश तक। पश्चिमी हिमालय की तुलना में यहां वृक्षों की ऊंचाई कम और बर्फबारी कम होती है।
- **प्रमुख वृक्ष:** ओक, मेपल, बुरुश (Rhododendron), एल्डर और भोज वृक्ष।

मैदानी और शुष्क क्षेत्र

- **सिंधु-गंगा का मैदान:** पंजाब से पश्चिम बंगाल तक। यह जलोढ़ मिट्टी से समृद्ध है। यहां साल वन, बबूल और ब्यूटिया जैसी प्रजातियां पाई जाती हैं।
- **शुष्क क्षेत्र:** पश्चिमी राजस्थान, गुजरात (कच्छ), दक्षिण-पश्चिम पंजाब। यहां कांटेदार रेगिस्तानी वनस्पतियां पाई जाती हैं।
- **मध्य भारत:** यहां मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय पर्णपाती और कांटेदार जंगल मिलते हैं (जैसे- कीकर, एनोगासस)।

घाट और तटीय वनस्पति

- **पश्चिमी घाट:**
  - **उत्तरी भाग:** लैटेराइट पठार और एस्टुरीन (मैंग्रोव) वनस्पति।
  - **दक्षिणी भाग:** यहां 'शोला' (Shola) वन (शीतोष्ण पर्वतीय वन) पाए जाते हैं।
- **पूर्वी घाट:** महानदी डेल्टा से कन्याकुमारी तक। यहां सदाबहार और शुष्क झाड़ियों का मिश्रण है।
- **मैंग्रोव (Mangroves):** तटीय और नदी मुहानों पर। प्रमुख प्रजातियां: राइजोफोरा, एविसेनिया, और सोनेरटिया।

द्वीपसमूह (अंडमान और निकोबार)

- ❖ यहां उष्णकटिबंधीय सदाबहार और मैंग्रोव वन प्रचुर मात्रा में हैं।
- ❖ **तुलना:** अंडमान की वनस्पति म्यांमार से और निकोबार की वनस्पति मलेशियाई वनस्पतियों से समानता रखती है।
- ❖ यहां कई स्थानिक (Endemic) प्रजातियां पाई जाती हैं।

औषधीय पादप और संरक्षण

- ❖ **औषधीय पौधे:** भारत में 7,000 से अधिक औषधीय पौधों का दस्तावेजीकरण किया गया है।
  - ➢ 960 प्रजातियां 'व्यापारिक' श्रेणी में हैं।
- ❖ **संकटग्रस्त प्रजातियां:** 1,500 से अधिक पौधों की प्रजातियां संकटग्रस्त (Endangered) हैं।
- ❖ **कानूनी प्रावधान:** जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 38 के तहत संकटग्रस्त प्रजातियों को घोषित और संरक्षित किया जाता है।
- ❖ **एथनोबोटनी (Ethnobotany):** पौधों और मनुष्यों के बीच संबंधों का अध्ययन।

महत्वपूर्ण तथ्य

- ➢ **शोला वन:** कहां पाए जाते हैं? - **दक्षिण-पश्चिमी घाट (नीलगिरी आदि)।**
- ➢ **साल (Sal):** किन क्षेत्रों का प्रमुख वृक्ष है? - **उत्तर-पश्चिम हिमालय के तराई और सिंधु-गंगा के मैदान।**
- ➢ **भोज वृक्ष:** कहां मिलता है? - **पूर्वी हिमालय क्षेत्र।**
- ➢ **BSI का कार्य:** भारत की वनस्पतियों का सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण।

जीव संसाधन

प्रमुख संस्थान और सामान्य आंकड़े

- ❖ **भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI):** स्थापना 109 वर्ष पूर्व, मुख्यालय-कोलकाता, कुल 16 क्षेत्रीय केंद्र।
- ❖ **कुल जीव प्रजातियां:** भारत में अब तक 1,04,561 प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है।
- ❖ **संरक्षण:** वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत 3,739 प्रजातियां संरक्षित हैं।
- ❖ **नई खोज:** भारत में हर साल लगभग 500 से 600 नई प्रजातियां खोजी जाती हैं।
- ❖ **संरक्षित क्षेत्र (PA):** भारत में कुल 1,022 संरक्षित क्षेत्र हैं, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 5.43% कवर करते हैं।

जैव-भौगोलिक वर्गीकरण (Biogeographic Classification)

- ❖ **भू-क्षेत्र (Realms):** भारत दो प्रमुख क्षेत्रों में आता है-पेलियार्कटिक (Palearctic) और इंडो-मलायन (Indo-Malayan)।
- ❖ **बायोम (Biomes):** मुख्य रूप से तीन-उष्णकटिबंधीय आर्द्र वन, उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन और गर्म रेगिस्तान।
- ❖ **जैव-भौगोलिक क्षेत्र:** भारतीय भू-भाग को 10 क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है।
- ❖ **सर्वाधिक विविधता:** हिमालय क्षेत्र में सबसे अधिक प्रजातियां (30,377) दर्ज हैं।

समुद्री और जलीय जैव-विविधता

- ❖ **विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ):** भारत का EEZ 2.37 मिलियन वर्ग किलोमीटर है (विश्व में 18वां स्थान)।
- ❖ **समुद्री प्रजातियां:** हिंद महासागर क्षेत्र में भारत में 20,444 समुद्री प्रजातियां पाई जाती हैं।
- ❖ **मैंग्रोव पारिस्थितिकी:** इसमें 5,747 जीव प्रजातियां निवास करती हैं।
- ❖ **रामसर स्थल (Wetlands):** भारत में कुल 85 रामसर स्थल हैं, जहां 8,213 प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है।

वैश्विक जैव-विविधता हॉटस्पॉट और रिजर्व

जैव-विविधता हॉटस्पॉट: भारत विश्व के 35 हॉटस्पॉट में से 4 को साझा करता है:

1. हिमालय
2. इंडो-बर्मा
3. सुंडालैंड

4. पश्चिमी घाट-श्रीलंका।

❖ **बायोस्फीयर रिजर्व:** यूनेस्को के तहत भारत में 18 नामित बायोस्फीयर रिजर्व हैं।
❖ **सुंदरबन:** यहां जानवरों की 2,626 प्रजातियां दर्ज हैं।

विशिष्ट प्रजाति संरक्षण और तकनीक

❖ **कछुआ टैगिंग कार्यक्रम:**
  - **ऑलिव रिडले (Olive Ridley):** ओडिशा तट पर (सामूहिक घोंसला बनाने के लिए प्रसिद्ध, जिसे 'अर्रिबाडा' कहते हैं)।
  - **लेदरबैक (Leatherback):** ग्रेट निकोबार द्वीप पर (दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री कछुआ)।

❖ **आनुवंशिक अध्ययन:** ZSI द्वारा गैर-आक्रामक (Non-invasive) आनुवंशिक तकनीक (बाल या मल के नमूने) का उपयोग किया जा रहा है।
❖ **अध्ययन की गई प्रजातियां:** अरुणाचल मकाक, भौंकने वाला हिरण (Muntjak), चीनी पैंगोलिन और 37 अन्य स्तनधारी।
❖ **जलवायु परिवर्तन निगरानी:** देहांग-दिबांग बायोस्फीयर रिजर्व (अरुणाचल प्रदेश) में स्थायी निगरानी केंद्र स्थापित।

संकटग्रस्त प्रजातियां (IUCN Red List)

❖ भारत की 7,076 जीव प्रजातियों को IUCN की रेड लिस्ट में शामिल किया गया है।

प्रमुख तथ्य

- ZSI का मुख्यालय? - **कोलकाता**
- भारत में कितने बायोस्फीयर रिजर्व हैं? - **18**
- 'अर्रिबाडा' किससे संबंधित है? - **ऑलिव रिडले कछुए के सामूहिक प्रजनन से**
- भारत का सबसे बड़ा समुद्री कछुआ? - **लेदरबैक**
- भारत में कितने जैव-विविधता हॉटस्पॉट हैं? - **4**
- देश के कितने प्रतिशत भाग पर संरक्षित क्षेत्र हैं? - **5.43%**

जनसांख्यिकीय पृष्ठभूमि

जनगणना: इतिहास और सामान्य आंकड़े

❖ **प्रथम जनगणना:** 1872 में।
❖ **2011 की जनगणना:** यह भारत की 15वीं जनगणना थी। (2021 की जनगणना कोविड-19 के कारण स्थगित)।
❖ **कुल जनसंख्या (2011):** 121.09 करोड़ (पुरुष: 62.33 करोड़, महिला: 58.76 करोड़)।
❖ **वैश्विक स्थिति:** भारत के पास विश्व का केवल 2.4% क्षेत्रफल है, लेकिन यहां विश्व की 17.7% जनसंख्या निवास करती है।
❖ **दशकीय वृद्धि दर (2001-2011):** 17.7%।
❖ **ग्रामीण बनाम शहरी:** ग्रामीण जनसंख्या 68.9%, शहरी जनसंख्या 31.1%।

जनसंख्या घनत्व (Population Density)

❖ **भारत का औसत घनत्व (2011):** 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी (2036 तक 462 होने का अनुमान)।
❖ **सर्वाधिक घनत्व वाला राज्य:** बिहार (1,106)। इसके बाद पश्चिम बंगाल (1,028) और केरल (860) का स्थान है।
❖ **सर्वाधिक घनत्व वाला केंद्र शासित प्रदेश:** दिल्ली (11,320)। इसके बाद चंडीगढ़ (9,258) है।

लिंगानुपात (Sex Ratio)

❖ **कुल लिंगानुपात (2011):** 943 (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाएं)। यह 2001 (933) की तुलना में सुधरा है।
❖ **बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष):** 919। यह 2001 (927) की तुलना में गिरा है (चिंता का विषय)।
❖ **भविष्य का अनुमान:** 2036 तक लिंगानुपात 957 होने की संभावना है।

साक्षरता दर (Literacy Rate)

❖ **परिभाषा:** 7 वर्ष या उससे अधिक आयु का व्यक्ति जो किसी भाषा में पढ़ और लिख सके।

- **भारत की कुल साक्षरता (2011):** 73% (पुरुष: 80.9%, महिला: 64.6%)।
- **सर्वाधिक साक्षर राज्य:** केरल (94%)।
- **दूसरा सर्वाधिक साक्षर (UT):** लक्षद्वीप (91.8%)।
- **सबसे कम साक्षर राज्य:** बिहार (61.8%)।
- **नवीनतम अनुमान (PLFS 2020-21):** भारत की साक्षरता दर 79.7% आंकी गई है।

प्रवासन (Migration)

- **कुल प्रवासी (2011):** 455.8 मिलियन।
- **प्रवासन दर (PLFS 2020-21):** 28.9%।
- **रोजगार हेतु प्रवासन:** कुल प्रवासियों का मात्र 10.8% हिस्सा रोजगार संबंधी कारणों से प्रवास करता है।

स्वास्थ्य एवं प्रजनन संकेतक (NFHS-5)

- **कुल प्रजनन दर (TFR):** भारत ने 2.0 का स्तर प्राप्त कर लिया है, जो प्रतिस्थापन स्तर (Replacement Level - 2.1) से भी कम है। (इसका अर्थ है जनसंख्या स्थिरता की ओर है)।
- **अशोधित जन्म दर (CBR):** 19.5 (प्रति 1000 व्यक्ति)।
- **अशोधित मृत्यु दर (CDR):** 6.0 (प्रति 1000 व्यक्ति)।
- **शिशु मृत्यु दर (IMR):** 2010 में 47 से घटकर 2020 में 28 रह गई है। (स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का सूचक)।

अन्य प्रमुख तथ्य

- प्रतिस्थापन स्तर (Replacement Level) क्या है? - **2.1 की प्रजनन दर।**
- लिंगानुपात में कहां गिरावट दर्ज की गई? - **बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष) में।**
- **बिहार की प्रमुख जनसांख्यिकीय विशेषता:** सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व और सबसे कम साक्षरता दर।
- **केरल की उपलब्धि:** उच्चतम साक्षरता और महिला साक्षरता दर।
- **जनसंख्या अनुमान:** 2036 तक भारत की आबादी 152.2 करोड़ (1,522.3 Million) होने का अनुमान है।

राष्ट्रीय प्रतीक

राष्ट्रीय ध्वज

राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा)

- **रंग और क्रम:** शीर्ष पर केसरिया, मध्य में सफेद और नीचे गहरा हरा।
- **प्रतीक:** केसरिया (साहस और बलिदान), सफेद (शांति और सच्चाई), हरा (समृद्धि)।
- **अनुपात (Ratio):** लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 3:2 होता है।
- **अशोक चक्र:**
  - **रंग:** गहरा नीला।
  - **स्थान:** सफेद पट्टी के केंद्र में।
  - **तीलियां:** 24 (जो धर्म, कानून और 24 घंटे निरंतर प्रगति का प्रतीक हैं)।
  - **स्रोत:** सारनाथ स्थित सम्राट अशोक का सिंह स्तंभ।
- **अपनाया गया (Adoption):** संविधान सभा द्वारा 22 जुलाई, 1947 को।
- **डिजाइनर:** पिंगली वेंकैया (प्रस्तुतकर्ता: पं. जवाहरलाल नेहरू)।
- **महत्वपूर्ण कानून:**
  - भारतीय झंडा संहिता (Flag Code of India), 2002 (26 जनवरी 2002 से प्रभावी)।
  - राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971।
  - संप्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग का निवारण) अधिनियम, 1950।

राजचिह्न (National Emblem)

- **स्रोत:** सारनाथ स्थित अशोक का सिंह स्तंभ (Lion Capital)।
- **बनावट:** मूल स्तंभ एकल बलुआ पत्थर से निर्मित है।
- **दिखने वाली आकृतियां:** राजचिह्न में तीन सिंह दिखाई देते हैं (कुल चार हैं)।
- **आधार (Abacus):**
  - मध्य में धर्मचक्र।
  - दाईं ओर सांड (Ox/Bull) – जो कड़ी मेहनत और दृढ़ता का प्रतीक है।
  - बाईं ओर घोड़ा (Horse) – जो शक्ति और गति का प्रतीक है।
- **राष्ट्रीय आदर्श वाक्य: 'सत्यमेव जयते'।**
  - **स्रोत:** मुण्डकोपनिषद्।
  - **लिपि:** देवनागरी।
  - **अर्थ:** 'सत्य की ही विजय होती है'।
- **अपनाया गया (Adoption):** भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी, 1950 को।
- **वर्जित हिस्सा:** मूल स्तंभ के नीचे के 'घंटे के आकार के पद्म' (Inverted Lotus) को राजचिह्न में शामिल नहीं किया गया है।
- **कानूनी विनियमन:** भारत का राज्य संप्रतीक (अनुचित उपयोग निषेध) अधिनियम, 2005।

प्रमुख तथ्य			
विषय	**तथ्य**	**विषय**	**तथ्य**
ध्वज का अनुपात	3 : 2	अशोक चक्र की तीलियां	24
ध्वज अपनाया गया	22 जुलाई, 1947	राजचिह्न में पशु (दृश्य)	सिंह, घोड़ा और सांड
राजचिह्न अपनाया गया	26 जनवरी, 1950	झंडा संहिता प्रभावी हुई	26 जनवरी, 2002
सत्यमेव जयते का स्रोत	मुण्डकोपनिषद्		

राष्ट्रगान

रचना और रचयिता

- **राष्ट्रगान:** 'जन-गण-मन'।
- **रचयिता:** रवींद्रनाथ टैगोर।
- **मूल भाषा:** बांग्ला।
- **अंग्रेजी अनुवाद:** स्वयं रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा किया गया, जिसका शीर्षक 'Thou art the ruler of the minds of all people' है।

आधिकारिक स्वीकृति और प्रथम गायन

- **अपनाया गया:** संविधान सभा ने 24 जनवरी, 1950 को इसके हिंदी संस्करण को अपनाया।
- **प्रथम गायन:** पहली बार 27 दिसंबर, 1911 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया था।

गायन की अवधि और स्वरूप

- **पूर्ण अवधि:** राष्ट्रगान के गायन का निर्धारित समय लगभग 52 सेकंड है।
- **संक्षिप्त अवधि:** विशेष अवसरों पर संक्षिप्त रूप (प्रथम और अंतिम पंक्तियां) गाया जाता है, जिसकी अवधि लगभग 20 सेकंड होती है।
- **पद:** मूल गीत में कुल 5 पद हैं, लेकिन राष्ट्रगान के रूप में केवल प्रथम पद को ही मान्यता प्राप्त है।

भौगोलिक और सांस्कृतिक वर्णन

- **उल्लिखित क्षेत्र:** पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा, द्रविड़ (दक्षिण भारत), उत्कल (ओडिशा) और बंगाल।
- **पर्वत और नदियां:** विंध्य और हिमाचल पर्वतमाला; यमुना और गंगा नदियां।
- **समुद्र का वर्णन:** 'उच्छल जलधि तरंग' शब्दावली का अर्थ हिंद महासागर की लहरों से है।

प्रतीकात्मक अर्थ

- **भाग्य विधाता:** इसका अर्थ जनता के शासक से है।
- **महत्व:** यह गीत भारत की राष्ट्रीय पहचान, एकता और भौगोलिक विविधता का प्रतीक है।

प्रमुख तथ्य	
संविधान सभा द्वारा कब अपनाया गया?	24 जनवरी, 1950
पहली बार कब और कहां गाया गया?	1911, कांग्रेस का कलकत्ता अधिवेशन
पूर्ण गायन का समय कितना है?	52 सेकंड
संक्षिप्त गायन का समय कितना है?	20 सेकंड
राष्ट्रगान में कितने पद शामिल हैं?	केवल पहला पद (मूलत: 5 में से)
'उत्कल' शब्द का आधुनिक अर्थ?	ओडिशा

राष्ट्रगीत

राष्ट्रगीत (National Song)

- **नाम:** 'वंदे मातरम्'।
- **रचयिता:** बंकिमचंद्र चटर्जी।
- **मूल भाषा:** संस्कृत।
- **स्रोत:** बंकिमचंद्र चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' (1882) से लिया गया है।
- **दर्जा:** इसे 'जन-गण-मन' (राष्ट्रगान) के समान दर्जा प्राप्त है।
- **प्रथम गायन:** पहली बार 1896 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया था।
- **अंग्रेजी अनुवाद (गद्य):** श्री अरबिंदो ने किया था।
- **संसदीय परंपरा:** संसद की कार्यवाही का समापन 'वंदे मातरम्' के साथ होता है (शुरुआत 'जन-गण-मन' से होती है)।
- **अर्थ:** 'मां, मैं तुम्हारी वंदना करता हूं'।

राष्ट्रीय पंचांग भारत का राष्ट्रीय पशु तथा राष्ट्रीय पक्षी

- **आधार:** शक संवत् (Saka Era)।
- **पहला महीना:** चैत्र।
- **अपनाया गया:** सरकारी उद्देश्यों के लिए 22 मार्च, 1957 को अपनाया गया।
- **उपयोग:** भारत का राजपत्र, आकाशवाणी समाचार, सरकारी कैलेंडर और आधिकारिक संचार।
- **तारीख सादृश्य:** 1 चैत्र सामान्यत: 22 मार्च को और लीप वर्ष (Adhivars) में 21 मार्च को पड़ता है।

राष्ट्रीय पशु (National Animal)

- **नाम:** बाघ (Tiger)।
- **वैज्ञानिक नाम:** पैंथेरा टाइग्रिस (Panthera tigris)।
- **पुन:** अधिसूचना: पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011 में पुन: अधिसूचित।
- **महत्व:** यह वन्यजीव संरक्षण और भारत की शक्ति का प्रतीक है।

राष्ट्रीय पक्षी (National Bird)

- **नाम:** मोर (Peacock)।
- **वैज्ञानिक नाम:** पावो क्रिस्टेटस (Pavo cristatus)।
- **पुन:** अधिसूचना: वर्ष 2011 में पुन: अधिसूचित।
- **महत्व:** अपनी सुंदरता और समृद्ध जैव-विविधता के कारण राष्ट्रीय पक्षी का दर्जा।

प्रमुख तथ्य		
राष्ट्रीय प्रतीक	**मुख्य विवरण**	**महत्वपूर्ण तथ्य**
राष्ट्रगीत	वंदे मातरम्	उपन्यास 'आनंदमठ' से लिया गया
रचयिता	बंकिमचंद्र चटर्जी	प्रथम गायन 1896 (कांग्रेस अधिवेशन)
पंचांग	शक संवत्	**प्रथम माह:** चैत्र (22 मार्च से प्रारंभ)
पंचांग अपनाना	22 मार्च, 1957	सरकारी कार्यों हेतु आधिकारिक कैलेंडर
राष्ट्रीय पशु	बाघ (Tiger)	वैज्ञानिक नाम: Panthera tigris
राष्ट्रीय पक्षी	मोर (Peacock)	वैज्ञानिक नाम: Pavo

राजनीतिक संरचना

भारत के राज्य का स्वरूप (Nature of State)

- **संवैधानिक स्थिति:** भारत एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य है।
- **गणराज्य (Republic) का अर्थ:** भारत का राज्य प्रमुख (राष्ट्रपति) निर्वाचित होता है, वंशानुगत नहीं।
- **शासन प्रणाली:** भारत में संसदीय (Parliamentary) शासन प्रणाली अपनाई गई है।

महत्वपूर्ण संवैधानिक तिथियां

- **संविधान स्वीकार किया गया (Adopted):** 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा।
- **संविधान लागू हुआ (Enforced):** 26 जनवरी, 1950 से।

कार्यपालिका (Executive Structure)

- **केंद्र स्तर पर:**
  - **संवैधानिक प्रमुख:** राष्ट्रपति।
  - **वास्तविक प्रमुख:** प्रधानमंत्री (मंत्रिपरिषद् के प्रमुख के रूप में)।
  - **अनुच्छेद 74(1):** राष्ट्रपति को सहायता और परामर्श देने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक मंत्रिपरिषद् होगी।
  - **सामूहिक उत्तरदायित्व:** केंद्रीय मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
- **राज्य स्तर पर:**
  - **संवैधानिक प्रमुख:** राज्यपाल।
  - **वास्तविक प्रमुख:** मुख्यमंत्री।
  - **सामूहिक उत्तरदायित्व:** राज्य की मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

संघीय ढांचा और शक्तियां (Federal Structure)

- **स्वरूप:** भारतीय संविधान का ढांचा संघात्मक (Federal) है, लेकिन इसमें एकात्मक (Unitary) विशेषताएं भी शामिल हैं।
- **विधायी शक्तियों का विभाजन:** विधायी शक्तियां संसद और राज्यों की विधानसभाओं के बीच विभाजित हैं।
- **संविधान संशोधन:** संविधान में संशोधन करने का एकमात्र अधिकार केवल संसद के पास है।

स्वतंत्र और निष्पक्ष संस्थाएं

संविधान में निम्नलिखित संस्थाओं की स्वतंत्रता सुनिश्चित की गई है:

1. न्यायपालिका (Judiciary)
2. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG)
3. लोक सेवा आयोग (UPSC/SPSC)
4. मुख्य निर्वाचन आयोग (Election Commission)